आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–18 जुलाई 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज, मुख्य न्यायाधीश की खण्डपीठ करेगी सुनवाई।
- कांवड यात्रा की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की समीक्षा बैठक। 72 घंटे के अंदर कांवड यात्रा के मार्गो की मरम्मत के दिये निर्देश।
- प्रदेश में 13 जिलों के 16 सौ 61 ग्राम अभी भी बाढ़ से प्रभावित, कई जिलों में नदियां अभी भी खतरे के निशान से ऊपर।
- दसवीं मोहर्रम पर अकीदत के साथ निकाले गये ताजियों के जुलूस, करबला में गमगीन माहौल में किये गये दफन

****

22 जुलाई से प्रारंभ हो रही पावन कांवड यात्रा की तैयारियो को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और जरूरी दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई और नगर विकास विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि कावंड़ यात्रा से संबंधित हर जिले की हर सड़क की मरम्मत का शेष काम 72 घंटे में अवश्य पूरा कर लिया जाए। सीएम योगी ने कहा कि पूरे कांवड़ यात्रा रूट की साफ– सफाई कराई जाए। यह क्रम पूरे माह जारी रहना चाहिए। कहीं भी गंदगी अथवा जलभराव नहीं होनी चाहिए। साथ ही पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर अच्छी प्रकाश व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांवड यात्रा मार्ग की ड्रोन से निगरानी कराई जाए और प्रमुख अवसरों पर पुष्पवर्षा भी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी आदि के नगरीय क्षेत्रों में आस्था के केंद्र शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा मंदिर प्रबंधन से संपर्क–संवाद कर शिवालयों में भीड़ प्रबंधन कर लिया जाए। बैठक में जलशक्ति, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री एवं राज्य मन्त्रिगणों की उपस्थिति भी रही।

****

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी दो हजार चौबीस से संबंधित विभिन्न याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में फिर सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पारडीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इसमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, एनटीए द्वारा दायर मुकदमें भी शामिल हैं जिसमें विभिन्न हाईकोर्ट में उसके खिलाफ लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट मे स्थानान्तिरित करने की मांग की गयी है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को याचिकाओं की सुनवाई की थी। इन याचिकाओं में नीट यूजी परीक्षा को रद्द करने की मांग वाली याचिकाए भी शामिल है।

****

प्रदेश में बीते सात वर्षो में साढ़े छह लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से कई बार विभिन्न विभागों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि दस जुलाई को मुख्यमंत्री ने सात हजार सात सौ बीस लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किये थे। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश मे शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बडी संख्या मे रोजगार उपलब्ध कराये गये हैं।

****

प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ स्थित अपने आवास पर बैठक की। इस बैठक में कई मंत्री शामिल हुए। उपचुनाव में कुल तीस मंत्रियों को सीटवार जिम्मेदारी दी गई है। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को अपने प्रभार क्षेत्र में जब तक चुनाव सम्पन्न न हो जाये, दो दिन रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिये हैं। श्री योगी की तरफ से सभी प्रभारी मंत्रियों को यह भी निर्देश दिये गये हैं कि हर एक ग्रुप को कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बनाकर बूथ को मजबूत करने पर फोकस करना है। हर सीट पर तीन–तीन मंत्रियों के अलावा संगठन से एक–एक पदाधिकारी की तैनाती की गई है।

लोकसभा चुनावों में नौ विधायकों के सांसद बनने के बाद रिक्त हुई कटेहरी, मिल्कीपुर, करहल, फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद, मीरापुर, कुंदरकी और खैर सीटों के अलावा कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है।

****

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, ईरी के दक्षिण एशिया केन्द्र वाराणसी के निदेशक डाक्टर सुधांशु सिंह ने कल गोरखपुर और महराजगंज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महराजगंज के चौक बाजार स्थित एक कृषि फार्म पर ईरी के सहयोग से की जा रही धान की प्रयोगात्मक खेती का निरीक्षण और मूल्यांकन किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि मशीन से धान की सीधी बुआयी करने से लागत तो कम हुई ही है, इससे खर पतवार की समस्या भी कम हुई है। धान की सीधी बुआयी से प्रति एकड़ दस से पंद्रह हजार रूपये की लागत कम होने की उमीद है। ईरी के निदेशक ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान, गेहूं और गन्ना की ऐसी खेती पर काम कर रहा है। जिससे लागत घटे और उत्पादकता में वृद्धि हो ।

****

बीते तीन दिन से थमी बारिश और नेपाल से पानी छोड़े जाने पर नियंत्रण के बाद प्रदेश के कई जिलों मे बाढ़ की स्थिति में काफी सुधार आया है। बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या छब्बीस के घट कर तेरह रह गयी है हालांकि अभी भी लखीमपुर खीरी, कुशीनगर, शाहजहांपुर, बारांबंकी, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, हरदोई, अयोध्या, बदायूं, देवरिया, उन्नाव और महराजगंज जिलों की तिहत्तर तहसीलों के सोलह सौ एकसठ ग्राम बाढ़ से प्रभावित हैं। बारिश में कमी के बावजूद गोरखपुर में राप्ती नदी, सिद्धार्थनगर मे बूढी राप्ती खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि गोरखपुर में राप्ती नदी का जलस्तर छह सेंटीमीटर कम हुआ है और विशेज्ञयों का मानना है कि अब जलस्तर तेजी से कम होगा। राहत आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बाढ प्रभावित क्षेत्रो में पंद्रह कंपनी एनडीआरएफ, सोलह कंपनी एसडीआरएफ और तैंतीस कंपनी पीएसी फ्लड बटालियन तैनात की गयी है। लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा रहा है। साथ ही बाढ़ प्रभावित जिलों में प्रशासन द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

****

बीते कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों में उमस भरी गर्मी पड़ रही है। अनुमान है कि मौसम का यह मिजाज अगले दो दिन तक बना रहेगा। इस बीच मौसम विभाग ने आज प्रदेश के तराई क्षेत्रों में गरज–चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है।

****

आस्था की धारती मथुरा के गोवर्धन में विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला कल देवशयनी एकादशी की पावन तिथि से शुरू हो गया है। यह मेला 22 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालु गिरिराज पर्वत की परिक्रमा करेंगे। 21 किलो मीटर की परिक्रमा का सिलसिला गिरीराज महराज के जयकारों के बीच कल से ही प्रारंभ हो चुका है। मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंधन किये हैं। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम ने मेले में पहुंचने के लिये अतिरिक्त बसों का इंतजाम किया है। मुड़िया पूर्णिमा मेले में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में लोग और साधु–संत पहुंचते हैं।

****

पैगम्बर मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके बहत्तर साथियों की शहादत को याद करके दसवीं मोहर्रम पर कल अकीदत के साथ ताजियों के जुलूस निकाले गये। इस दौरान प्रदेश भर में सुरक्षा के कडे इंतजाम किये गये थे। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इमाम चौकों पर स्थापित ताजिए जुलूस के साथ कर्बला पहुंचे जहां उन्हें गंमगीन माहौल में दफन किया गया। ताजिया जुलूस में अखाडों के कलाकार अपने करतब दिखा कर लोगों को हतप्रभ कर रहे थे।

दसवीं मोहर्रम पर पुराने लखनऊ के इमामबाड़ा नाजिम साहब से कर्बला तालकटोरा तक जुलूस ए आशूरा निकाला गया। जिसमें लखनऊ की सैकड़ो अंजुमनों ने नौहाख्वानी और सीनाज़नी कर कर्बला के शहीदों को ख़िराजे अकीदत पेश की। बदायूं में निकाले गये मातमी जुलूस के बाद ताजियों को गमगीन माहौल में छोटी ज्यारत स्थित कर्बला में दफन किया गया।

मोहर्रम के दसवें दिन बदायूं जिले के सहसवान, उसहैत, दातागंज, बिसौली, ककराला समेत कई स्थानों पर मातमी जुलूस निकाले गए। जुलूस के दौरान जगह जगह लंगरदारी कर तबर्रुख बांटा गया। जुलूस या हुसैन की सदाओं के साथ शहर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ छोटी ज्यारत स्थित करबला में पहुंचा। जहां ताजियों को गमगीन माहौल में दफ्न किया गया। जिले भर में जुलूसों के आयोजन को लेकर पुलिस सतर्क रही। जिले में पुलिस के जवान जुलूसों के दौरान पूरी मुस्तैदी से तैनात रहे। पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके 72 साथी कर्बला की जंग में शहीद हुए थे, उन्हीं की याद में मोहर्रम मनाया जाता है।

गोरखपुर, बस्ती, मथुरा, बरेली, अमरोहा, फर्रूखाबाद, अयोध्या, बलरामपुर, अम्बेडकरनगर, हापुड़, लखीमपुर खीरी और मिर्जापुर सहित विभिन्न जनपदों में भी मातमी जुलूस के साथ ताजिया निकाले गये और उन्हें करबला में सुपुर्द ए खाक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न इलाकों में मजलिसों और दीनी सभाओं का भी आयोजन किया गया।

****